



# 二十四史(附《清史稿》)

(第四卷)

中州古籍出版社

## 魏书目录

## 卷一 帝纪第一

## 序纪

|               |   |
|---------------|---|
| 成帝毛 .....     | 1 |
| 圣武帝诘汾 .....   | 1 |
| 始祖神元帝力微 ..... | 1 |
| 文帝沙漠汗 .....   | 1 |
| 章帝悉鹿 .....    | 1 |
| 平帝绰 .....     | 1 |
| 思帝弗 .....     | 1 |
| 昭帝禄官 .....    | 1 |
| 桓帝猗色 .....    | 2 |
| 穆帝猗卢 .....    | 2 |
| 平文帝郁律 .....   | 2 |
| 惠帝贺傉 .....    | 2 |
| 炆帝纥那 .....    | 3 |
| 烈帝翳槐 .....    | 3 |
| 昭成帝什翼犍 .....  | 3 |

## 卷二 帝纪第二

|              |   |
|--------------|---|
| 太祖道武帝珽 ..... | 4 |
|--------------|---|

## 卷三 帝纪第三

|              |   |
|--------------|---|
| 太宗明元帝嗣 ..... | 9 |
|--------------|---|

## 卷四上 帝纪第四上

|              |    |
|--------------|----|
| 世祖太武帝焘 ..... | 12 |
|--------------|----|

## 卷四下 帝纪第四下

|              |    |
|--------------|----|
| 世祖太武帝焘 ..... | 16 |
| 恭宗景穆帝晃 ..... | 19 |

## 卷五 帝纪第五

|              |    |
|--------------|----|
| 高宗文成帝浚 ..... | 19 |
|--------------|----|

## 卷六 帝纪第六

|              |    |
|--------------|----|
| 显祖献文帝弘 ..... | 22 |
|--------------|----|

## 卷七上 帝纪第七上

|              |    |
|--------------|----|
| 高祖孝文帝宏 ..... | 23 |
|--------------|----|

## 卷七下 帝纪第七下

|              |    |
|--------------|----|
| 高祖孝文帝宏 ..... | 28 |
|--------------|----|

## 卷八 帝纪第八

|              |    |
|--------------|----|
| 世宗宣武帝恪 ..... | 33 |
|--------------|----|

## 卷九 帝纪第九

|              |    |
|--------------|----|
| 肃宗孝明帝诰 ..... | 38 |
|--------------|----|

## 卷十 帝纪第十

|               |    |
|---------------|----|
| 敬宗孝庄帝子攸 ..... | 44 |
|---------------|----|

## 卷十一 帝纪第十一

|               |    |
|---------------|----|
| 前废帝广陵王恭 ..... | 47 |
| 后废帝安定王朗 ..... | 48 |
| 出帝平阳王修 .....  | 49 |

## 卷十二 帝纪第十二

|             |    |
|-------------|----|
| 孝静帝善见 ..... | 51 |
|-------------|----|

## 卷十三 列传第一

## 皇后

|                 |    |
|-----------------|----|
| 神元皇后窦氏 .....    | 55 |
| 文帝皇后封氏 .....    | 55 |
| 次妃兰氏 .....      | 55 |
| 桓帝皇后祁氏 .....    | 55 |
| 平文皇后王氏 .....    | 55 |
| 昭成皇后慕容氏 .....   | 55 |
| 献明皇后贺氏 .....    | 55 |
| 道武皇后慕容氏 .....   | 55 |
| 道武宣穆皇后刘氏 .....  | 56 |
| 明元昭哀皇后姚氏 .....  | 56 |
| 明元密皇后杜氏 .....   | 56 |
| 太武皇后赫连氏 .....   | 56 |
| 太武敬哀皇后贺氏 .....  | 56 |
| 景穆恭皇后郁久闾氏 ..... | 56 |
| 文成文明皇后冯氏 .....  | 56 |
| 文成元皇后李氏 .....   | 57 |
| 献文思皇后李氏 .....   | 57 |
| 孝文贞皇后林氏 .....   | 57 |
| 孝文废皇后冯氏 .....   | 57 |
| 孝文幽皇后冯氏 .....   | 57 |
| 孝文昭皇后高氏 .....   | 58 |
| 宣武顺皇后于氏 .....   | 58 |
| 宣武皇后高氏 .....    | 58 |
| 宣武灵皇后胡氏 .....   | 58 |
| 孝明皇后胡氏 .....    | 59 |
| 孝静皇后高氏 .....    | 59 |

## 卷十四 列传第二

## 神元平文诸帝子孙

|             |    |
|-------------|----|
| 上谷公纥罗 ..... | 59 |
| 子襄城王题 ..... | 59 |
| 建德公嬰文 ..... | 59 |
| 真定侯陆 .....  | 59 |
| 曾孙轨 .....   | 59 |
| 武陵侯因 .....  | 59 |
| 长乐王寿乐 ..... | 59 |
| 望都公頵 .....  | 59 |
| 曲阳侯素延 ..... | 59 |
| 顺阳公郁 .....  | 59 |

|                 |    |
|-----------------|----|
| 宜都王目辰 .....     | 60 |
| 穆帝长子六修 .....    | 60 |
| 吉阳男比干 .....     | 60 |
| 江夏公吕 .....      | 60 |
| 高凉王孤 .....      | 60 |
| 六世孙华山王鸞 苍 ..... | 60 |
| 苍子子华 子思 .....   | 60 |
| 六世孙上党王天穆 .....  | 61 |
| 西河公敦 .....      | 61 |
| 司徒石 .....       | 61 |
| 武卫将军谓 .....     | 61 |
| 子乌真 .....       | 62 |
| 乌真子兴都 .....     | 62 |
| 兴都子东阳王丕 .....   | 62 |
| 淮陵侯大头 .....     | 63 |
| 河间公齐 .....      | 63 |
| 孙 志 .....       | 63 |
| 扶风公处真 .....     | 63 |
| 文安公泥 .....      | 63 |
| 子屈 .....        | 63 |
| 屈子磨浑 .....      | 63 |

## 卷十五 列传第三

### 昭成子孙

|                |    |
|----------------|----|
| 实君 .....       | 63 |
| 秦明王翰 .....     | 64 |
| 子卫王仪 .....     | 64 |
| 仪子中山王纂 干 ..... | 64 |
| 阴平王烈 秦王觚 ..... | 64 |
| 常山王遵 .....     | 65 |
| 子素 .....       | 65 |
| 素子可悉陵 .....    | 65 |
| 可悉陵从子昭 .....   | 65 |
| 昭子玄 .....      | 65 |
| 昭弟绍 .....      | 65 |
| 可悉陵弟忠 .....    | 65 |
| 忠子寿兴 .....     | 65 |
| 忠弟孙嶷 .....     | 65 |
| 忠从子晖 .....     | 65 |
| 陈留王虔 .....     | 66 |
| 毗陵王顺 .....     | 66 |
| 辽西公意烈 .....    | 67 |
| 窟咄 .....       | 67 |

## 卷十六 列传第四

### 道武七王

|            |    |
|------------|----|
| 清河王绍 ..... | 67 |
| 阳平王熙 ..... | 67 |
| 河南王曜 ..... | 68 |

|             |    |
|-------------|----|
| 河间王修 .....  | 69 |
| 长乐王处文 ..... | 69 |
| 广平王连 .....  | 69 |
| 京兆王黎 .....  | 70 |

## 卷十七 列传第五

### 明元六王

|            |    |
|------------|----|
| 乐平王丕 ..... | 72 |
| 安定王弥 ..... | 72 |
| 乐安王范 ..... | 72 |
| 永昌王健 ..... | 72 |
| 建宁王崇 ..... | 72 |
| 新兴王俊 ..... | 72 |

## 卷十八 列传第六

### 太武五王

|              |    |
|--------------|----|
| 晋王伏罗 .....   | 72 |
| 东平王翰 .....   | 72 |
| 临淮王谭 .....   | 73 |
| 子提 .....     | 73 |
| 提子昌 .....    | 73 |
| 昌子彧 孝友 ..... | 73 |
| 昌弟孚 .....    | 74 |
| 广阳王建 .....   | 75 |
| 子嘉 .....     | 75 |
| 嘉子深 .....    | 75 |
| 深子湛 瑾 .....  | 76 |
| 南安王余 .....   | 76 |

## 卷十九上 列传第七上

### 景穆十二王上

|               |    |
|---------------|----|
| 阳平王新成 .....   | 76 |
| 子颐 衍 .....    | 76 |
| 衍子融 .....     | 77 |
| 衍弟钦 .....     | 77 |
| 钦子子孝 .....    | 77 |
| 京兆王子推 .....   | 77 |
| 子太兴 .....     | 77 |
| 太兴孙惊 .....    | 77 |
| 太兴子仲景 暹 ..... | 77 |
| 太兴弟遙 .....    | 77 |
| 济阴王小新成 .....  | 78 |
| 汝阴王天赐 .....   | 78 |
| 乐浪王万寿 .....   | 79 |
| 广平王洛侯 .....   | 79 |
| 嗣子济南王匡 .....  | 79 |

## 卷十九中 列传第七中

### 景穆十二王中

|            |    |
|------------|----|
| 任城王云 ..... | 80 |
| 子澄 .....   | 80 |

|                    |     |
|--------------------|-----|
| 澄子彝 顺 .....        | 85  |
| 澄弟嵩 .....          | 86  |
| 嵩子世俊 嵩弟贍 .....     | 86  |
| <b>卷十九下 列传第七下</b>  |     |
| <b>景穆十二王下</b>      |     |
| 南安王桢 .....         | 87  |
| 子中山王英 .....        | 87  |
| 英子熙 .....          | 89  |
| 熙弟东平王略 .....       | 90  |
| 略弟纂 义兴 .....       | 90  |
| 英弟怡 .....          | 90  |
| 怡子鲁郡王肃 东海王晔 .....  | 90  |
| 城阳王长寿 .....        | 90  |
| 子鸾 .....           | 90  |
| 鸾子徽 .....          | 91  |
| 章武王太洛 .....        | 91  |
| 嗣子彬 .....          | 91  |
| 彬子融 .....          | 91  |
| 融弟东安王凝 .....       | 92  |
| 乐陵王胡儿 .....        | 92  |
| 嗣子思誉 .....         | 92  |
| 安定王休 .....         | 92  |
| 子燮 愿平 贵平 .....     | 92  |
| <b>卷二十 列传第八</b>    |     |
| <b>文成五王</b>        |     |
| 安乐王长乐 .....        | 93  |
| 子詮 .....           | 93  |
| 詮子鉴 斌之 .....       | 93  |
| 广川王略 .....         | 93  |
| 子谐 .....           | 93  |
| 齐郡王简 .....         | 93  |
| 子祐 .....           | 93  |
| 河间王若 .....         | 94  |
| 嗣子琛 .....          | 94  |
| 安丰王猛 .....         | 94  |
| 子延明 .....          | 94  |
| <b>卷二十一上 列传第九上</b> |     |
| <b>献文六王上</b>       |     |
| 咸阳王禧 .....         | 94  |
| 子翼 树 .....         | 96  |
| 赵郡王干 .....         | 96  |
| 子谧 湛 谭 .....       | 96  |
| 广陵王羽 .....         | 97  |
| 子欣 .....           | 98  |
| 高阳王雍 .....         | 98  |
| 子端 睿 .....         | 100 |

|                      |     |
|----------------------|-----|
| 北海王详 .....           | 100 |
| 子颢 頊 .....           | 101 |
| <b>卷二十一下 列传第九下</b>   |     |
| <b>献文六王下</b>         |     |
| 彭城王勰 .....           | 102 |
| 子劼 .....             | 105 |
| <b>卷二十二 列传第十</b>     |     |
| <b>孝文五王</b>          |     |
| 废太子恂 .....           | 105 |
| 京兆王愉 .....           | 106 |
| 子宝炬 .....            | 106 |
| 清河王怿 .....           | 106 |
| 广平王怀 .....           | 107 |
| 汝南王悦 .....           | 107 |
| <b>卷二十三 列传第十一</b>    |     |
| 卫操 .....             | 107 |
| 卫雄 .....             | 108 |
| 姬澹 .....             | 108 |
| 莫含 .....             | 108 |
| 孙题 云 .....           | 108 |
| 刘库仁 弟眷 .....         | 108 |
| 子显 .....             | 109 |
| 族人奴真 .....           | 109 |
| 奴真兄捷 .....           | 109 |
| <b>卷二十四 列传第十二</b>    |     |
| 燕凤 .....             | 109 |
| 许谦 .....             | 109 |
| 子洛阳 .....            | 109 |
| 张袞 .....             | 110 |
| 孙诞 .....             | 110 |
| 袞子度 .....            | 110 |
| 度曾孙白泽 .....          | 110 |
| 白泽子伦 .....           | 111 |
| 崔玄伯 .....            | 111 |
| 弟徽 .....             | 112 |
| 族人宽 .....            | 112 |
| 宽子衡 .....            | 112 |
| 衡子敞 钟 肱 .....        | 113 |
| 崔模 .....             | 113 |
| 高陵 .....             | 113 |
| 崔道固 .....            | 113 |
| 道固兄子僧祐 僧渊 .....      | 114 |
| 僧渊子伯麟 伯凤 祖螭 祖虬 ..... | 114 |
| 僧渊从弟和 .....          | 114 |
| 和子轨 .....            | 114 |
| 董谧 谧父京 .....         | 114 |

|      |     |
|------|-----|
| 邓渊   | 114 |
| 子颖   | 115 |
| 颖孙述  | 115 |
| 颖子宗庆 | 115 |
| 颖从孙羨 | 115 |
| 羨子跻  | 115 |

### 卷二十五 列传第十三

|      |     |
|------|-----|
| 长孙嵩  | 115 |
| 子頵   | 116 |
| 頵子敦  | 116 |
| 长孙道生 | 116 |
| 孙观   | 116 |
| 观子稚  | 116 |
| 稚子子彦 | 117 |

### 卷二十六 列传第十四

|        |     |
|--------|-----|
| 长孙肥    | 117 |
| 子翰     | 117 |
| 翰弟陈 兰  | 117 |
| 肥从孙真   | 118 |
| 尉古真    | 118 |
| 弟诺     | 118 |
| 诺子眷    | 118 |
| 眷子多侯   | 118 |
| 多侯从子庆宾 | 118 |
| 眷弟地干   | 118 |
| 古真族玄孙聿 | 119 |

### 卷二十七 列传第十五

|       |     |
|-------|-----|
| 穆崇    | 119 |
| 孙真    | 119 |
| 真子泰   | 119 |
| 崇子观   | 119 |
| 观子寿   | 120 |
| 寿孙黑   | 120 |
| 黑子建   | 120 |
| 黑弟亮   | 120 |
| 亮子绍   | 121 |
| 寿弟多侯  | 122 |
| 观弟曾孙弼 | 122 |
| 观弟颢   | 122 |
| 崇宗人丑善 | 122 |
| 丑善玄孙鑊 | 122 |
| 鑊孙子琳  | 122 |

### 卷二十八 列传第十六

|    |     |
|----|-----|
| 和跋 | 123 |
| 奚牧 | 123 |

|     |     |
|-----|-----|
| 莫题  | 123 |
| 庾业延 | 123 |
| 贺狄干 | 123 |
| 李栗  | 124 |
| 刘洁  | 124 |
| 古弼  | 124 |
| 张黎  | 125 |

### 卷二十九 列传第十七

|             |     |
|-------------|-----|
| 奚斤          | 125 |
| 子他观 孙买奴 从孙兜 | 126 |
| 叔孙建         | 127 |
| 子俊 邻        | 127 |

### 卷三十 列传第十八

|     |     |
|-----|-----|
| 王建  | 128 |
| 安同  | 128 |
| 楼伏连 | 129 |
| 丘堆  | 130 |
| 娥清  | 130 |
| 刘尼  | 130 |
| 奚眷  | 130 |
| 车伊洛 | 130 |
| 宿石  | 131 |
| 来大千 | 131 |
| 周几  | 131 |
| 豆代田 | 131 |
| 周观  | 131 |
| 闾大肥 | 132 |
| 尉拔  | 132 |
| 陆真  | 132 |
| 吕洛拔 | 132 |

### 卷三十一 列传第十九

|       |     |
|-------|-----|
| 于栗磾   | 133 |
| 子洛拔   | 133 |
| 洛拔子烈  | 133 |
| 烈子祚 忠 | 134 |
| 烈从子昕  | 135 |
| 烈弟果   | 135 |

### 卷三十二 列传第二十

|      |     |
|------|-----|
| 高湖   | 136 |
| 子谧   | 136 |
| 谧子树生 | 136 |
| 谧兄真  | 136 |
| 拔弟胙儿 | 136 |
| 胙儿子吞 | 136 |
| 胙儿弟徽 | 136 |
| 徽子归义 | 137 |
| 湖弟恒  | 137 |

|               |     |             |     |
|---------------|-----|-------------|-----|
| 恒孙千 .....     | 137 | 韩延之 .....   | 160 |
| 崔逞 .....      | 137 | 袁式 .....    | 161 |
| 子贲 .....      | 137 | 卷三十九 列传第二十七 |     |
| 逞兄适 .....     | 138 | 李宝 .....    | 161 |
| 适玄孙隆宗 .....   | 138 | 子承 .....    | 161 |
| 封懿 .....      | 138 | 承子韶 .....   | 161 |
| 子玄之 .....     | 138 | 卷四十 列传第二十八  |     |
| 孙磨奴 .....     | 138 | 陆俟 .....    | 164 |
| 磨奴族子回 .....   | 138 | 卷四十一 列传第二十九 |     |
| 回子隆之 兴之 ..... | 138 | 源贺 .....    | 168 |
| 回兄琳 .....     | 138 | 卷四十二 列传第三十  |     |
| 懿从子恺 .....    | 138 | 薛辩 .....    | 172 |
| 恺从孙灵祐 .....   | 138 | 寇赞 .....    | 173 |
| 回族叔軌 .....    | 139 | 酈范 .....    | 173 |
| 軌子伟伯 .....    | 139 | 韩秀 .....    | 174 |
| 卷三十三 列传第二十一   |     | 尧暄 .....    | 175 |
| 宋隐 .....      | 139 | 吕舍 .....    | 175 |
| 王宪 .....      | 140 | 卷四十三 列传第三十一 |     |
| 屈遵 .....      | 140 | 严棱 .....    | 175 |
| 张蒲 .....      | 140 | 毛修之 .....   | 175 |
| 谷浑 .....      | 141 | 唐和 .....    | 176 |
| 公孙表 .....     | 141 | 刘休宾 .....   | 176 |
| 张济 .....      | 142 | 房法寿 .....   | 177 |
| 李先 .....      | 142 | 卷四十四 列传第三十二 |     |
| 贾彝 .....      | 143 | 罗结 .....    | 180 |
| 薛提 .....      | 144 | 伊穢 .....    | 181 |
| 卷三十四 列传第二十二   |     | 乙瑰 .....    | 181 |
| 王洛儿 .....     | 144 | 和其奴 .....   | 182 |
| 车路头 .....     | 144 | 苟頹 .....    | 182 |
| 卢鲁元 .....     | 145 | 薛野賭 .....   | 182 |
| 陈建 .....      | 145 | 宇文福 .....   | 183 |
| 万安国 .....     | 145 | 费于 .....    | 184 |
| 卷三十五 列传第二十三   |     | 孟威 .....    | 184 |
| 崔浩 .....      | 145 | 卷四十五 列传第三十三 |     |
| 卷三十六 列传第二十四   |     | 韦闾 .....    | 185 |
| 李顺 .....      | 150 | 杜铨 .....    | 187 |
| 子敷 式 .....    | 151 | 裴骏 .....    | 187 |
| 卷三十七 列传第二十五   |     | 辛绍先 .....   | 188 |
| 司马休之 .....    | 155 | 柳崇 .....    | 189 |
| 司马楚之 .....    | 155 | 卷四十六 列传第三十四 |     |
| 司马景之 .....    | 157 | 窦瑾 .....    | 189 |
| 司马叔璠 .....    | 157 | 许彦 .....    | 190 |
| 司马天助 .....    | 157 | 李诜 .....    | 190 |
| 卷三十八 列传第二十六   |     | 卷四十七 列传第三十五 |     |
| 刁雍 .....      | 157 | 卢玄 .....    | 191 |
| 王慧龙 .....     | 159 |             |     |

|             |     |             |     |
|-------------|-----|-------------|-----|
| 子度世 .....   | 192 | 高祐 .....    | 233 |
| 度世子渊 .....  | 192 | 崔挺 .....    | 234 |
| 卷四十八 列传第三十六 |     | 卷五十八 列传第四十六 |     |
| 高允 .....    | 196 | 杨播 .....    | 236 |
| 孙绰 .....    | 201 | 子侃 .....    | 237 |
| 允弟推 .....   | 201 | 播弟椿 .....   | 238 |
| 卷四十九 列传第三十七 |     | 椿子昱 .....   | 239 |
| 李灵 .....    | 201 | 卷五十九 列传第四十七 |     |
| 崔鉴 .....    | 203 | 刘昶 .....    | 242 |
| 卷五十 列传第三十八  |     | 萧宝夤 .....   | 243 |
| 尉元 .....    | 204 | 萧正表 .....   | 247 |
| 慕容白曜 .....  | 205 | 卷六十 列传第四十八  |     |
| 卷五十一 列传第三十九 |     | 韩麒麟 .....   | 247 |
| 韩茂 .....    | 207 | 程骏 .....    | 250 |
| 皮豹子 .....   | 208 | 卷六十一 列传第四十九 |     |
| 封敕文 .....   | 209 | 薛安都 .....   | 251 |
| 吕罗汉 .....   | 209 | 毕众敬 .....   | 253 |
| 孔伯恭 .....   | 210 | 沈文秀 .....   | 254 |
| 卷五十二 列传第四十  |     | 张说 .....    | 255 |
| 赵逸 .....    | 210 | 田益宗 .....   | 255 |
| 胡方回 .....   | 211 | 孟表 .....    | 256 |
| 胡叟 .....    | 211 | 卷六十二 列传第五十  |     |
| 宋繇 .....    | 212 | 李彪 .....    | 257 |
| 张湛 .....    | 212 | 高道悦 .....   | 261 |
| 宗钦 .....    | 212 | 卷六十三 列传第五十一 |     |
| 段承根 .....   | 213 | 王肃 .....    | 262 |
| 阚骅 .....    | 214 | 宋弁 .....    | 263 |
| 刘昺 .....    | 214 | 卷六十四 列传第五十二 |     |
| 赵柔 .....    | 214 | 郭祚 .....    | 264 |
| 索敞 .....    | 214 | 张彝 .....    | 266 |
| 阴仲达 .....   | 214 | 卷六十五 列传第五十三 |     |
| 卷五十三 列传第四十一 |     | 邢峦 .....    | 267 |
| 李孝伯 .....   | 215 | 子逊 .....    | 270 |
| 李冲 .....    | 218 | 李平 .....    | 271 |
| 卷五十四 列传第四十二 |     | 子奖 .....    | 272 |
| 游雅 .....    | 220 | 卷六十六 列传第五十四 |     |
| 高闾 .....    | 220 | 李崇 .....    | 273 |
| 卷五十五 列传第四十三 |     | 崔亮 .....    | 276 |
| 游明根 .....   | 224 | 卷六十七 列传第五十五 |     |
| 刘芳 .....    | 225 | 崔光 .....    | 278 |
| 卷五十六 列传第四十四 |     | 卷六十八 列传第五十六 |     |
| 郑羲 .....    | 228 | 甄琛 .....    | 283 |
| 崔辩 .....    | 231 | 高聪 .....    | 285 |
| 卷五十七 列传第四十五 |     | 卷六十九 列传第五十七 |     |
|             |     | 崔休 .....    | 286 |
|             |     | 裴延俊 .....   | 287 |



袁翻····· 288

## 卷七十 列传第五十八

刘藻····· 291

傅永····· 291

傅竖眼····· 292

李神····· 293

## 卷七十一 列传第五十九

裴叔业····· 294

夏侯道迁····· 297

李元护····· 298

席法友····· 298

王世弼····· 299

江悦之····· 299

淳于诞····· 299

李苗····· 300

## 卷七十二 列传第六十

阳尼····· 301

贾思伯····· 303

李叔虎····· 304

路恃庆····· 304

房亮····· 305

曹世表····· 305

潘永基····· 306

朱元旭····· 306

## 卷七十三 列传第六十一

奚康生····· 306

杨大眼····· 307

崔延伯····· 308

## 卷七十四 列传第六十二

尔朱荣····· 309

## 卷七十五 列传第六十三

尔朱兆····· 312

尔朱彦伯····· 313

尔朱度律····· 314

尔朱天光····· 315

## 卷七十六 列传第六十四

卢同····· 316

张烈····· 317

## 卷七十七 列传第六十五

宋翻····· 317

辛雄····· 318

羊深····· 320

杨机····· 321

高崇····· 321

## 卷七十八 列传第六十六

孙绍····· 324

张普惠····· 325

## 卷七十九 列传第六十七

成淹····· 330

范绍····· 331

刘桃符····· 331

刘道斌····· 331

董绍····· 331

冯元兴····· 332

鹿念····· 332

张熠····· 333

## 卷八十 列传第六十八

朱瑞····· 333

叱列延庆····· 334

斛斯椿····· 334

贾显度····· 335

樊子鹄····· 335

贺拔胜····· 336

侯莫陈悦····· 337

侯渊····· 337

## 卷八十一 列传第六十九

綦俊····· 338

山伟····· 338

刘仁之····· 338

宇文忠之····· 338

## 卷八十二 列传第七十

李琰之····· 339

祖莹····· 339

常景····· 340

## 卷八十三上 列传第七十一上

### 外戚上

贺讷····· 342

刘罗辰····· 342

姚黄眉····· 342

杜超····· 342

贺迷····· 342

闾毗····· 342

冯熙····· 343

李峻····· 344

李惠····· 344

## 卷八十三下 列传第七十一下

### 外戚下

高肇····· 345

于劲····· 345

胡国珍····· 345

李延寔····· 346

## 卷八十四 列传第七十二

### 儒林

梁越····· 347

卢丑····· 347

|     |     |
|-----|-----|
| 张伟  | 347 |
| 梁祚  | 347 |
| 平恒  | 347 |
| 陈奇  | 348 |
| 常爽  | 348 |
| 刘猷之 | 348 |
| 张吾贵 | 349 |
| 刘兰  | 349 |
| 孙惠蔚 | 349 |
| 徐遵明 | 350 |
| 董征  | 350 |
| 刁冲  | 350 |
| 卢景裕 | 351 |
| 李同轨 | 351 |
| 李业兴 | 351 |

### 卷八十五 列传第七十三

#### 文苑

|     |     |
|-----|-----|
| 袁跃  | 352 |
| 裴敬宪 | 353 |
| 卢观  | 353 |
| 封肃  | 353 |
| 邢臧  | 353 |
| 裴伯茂 | 353 |
| 邢昕  | 353 |
| 温子升 | 353 |

### 卷八十六 列传第七十四

#### 孝感

|     |     |
|-----|-----|
| 赵琰  | 354 |
| 长孙虑 | 354 |
| 乞伏保 | 355 |
| 孙益德 | 355 |
| 董洛生 | 355 |
| 杨引  | 355 |
| 阎元明 | 355 |
| 吴悉达 | 355 |
| 王续生 | 355 |
| 李显达 | 355 |
| 张升  | 355 |
| 仓跋  | 355 |
| 王崇  | 355 |
| 郭文恭 | 355 |

### 卷八十七 列传第七十五

#### 节义

|     |     |
|-----|-----|
| 于什门 | 356 |
| 段进  | 356 |
| 石文德 | 356 |
| 汲固  | 356 |

|     |     |
|-----|-----|
| 王玄威 | 356 |
| 娄提  | 356 |
| 刘渴侯 | 356 |
| 朱长生 | 356 |
| 于提  | 356 |
| 马八龙 | 356 |
| 门文爱 | 356 |
| 晁清  | 356 |
| 刘侯仁 | 356 |
| 石祖兴 | 357 |
| 邵洪哲 | 357 |
| 王荣世 | 357 |
| 胡小虎 | 357 |
| 孙道登 | 357 |
| 李几  | 357 |
| 张安祖 | 357 |
| 王间  | 357 |

### 卷八十八 列传第七十六

#### 良吏

|     |     |
|-----|-----|
| 张恂  | 357 |
| 鹿生  | 358 |
| 张应  | 358 |
| 宋世景 | 358 |
| 路邕  | 358 |
| 阎庆胤 | 358 |
| 明亮  | 358 |
| 杜纂  | 358 |
| 裴佗  | 359 |
| 窦瑗  | 359 |
| 羊敦  | 360 |
| 苏淑  | 360 |

### 卷八十九 列传第七十七

#### 酷吏

|     |     |
|-----|-----|
| 于洛侯 | 361 |
| 胡泥  | 361 |
| 李洪之 | 361 |
| 高遵  | 361 |
| 张敕提 | 362 |
| 羊祉  | 362 |
| 崔暹  | 362 |
| 郾道元 | 362 |
| 谷楷  | 363 |

### 卷九十 列传第七十八

#### 逸士

|    |     |
|----|-----|
| 陆夸 | 363 |
| 冯亮 | 363 |
| 李谧 | 363 |
| 郑脩 | 365 |

### 卷九十一 列传第七十九

## 术艺

|     |     |
|-----|-----|
| 晁崇  | 365 |
| 张渊  | 366 |
| 殷绍  | 368 |
| 王早  | 369 |
| 耿玄  | 369 |
| 刘灵助 | 369 |
| 江式  | 370 |
| 周澹  | 371 |
| 李脩  | 371 |
| 徐睿  | 371 |
| 王显  | 371 |
| 崔彧  | 372 |
| 蒋少游 | 372 |

## 卷九十二 列传第八十

## 列女

|         |     |
|---------|-----|
| 崔览妻封氏   | 373 |
| 封卓妻刘氏   | 373 |
| 魏溥妻房氏   | 373 |
| 胡长命妻张氏  | 373 |
| 平原女子孙氏  | 373 |
| 房爱亲妻崔氏  | 373 |
| 泾州贞女兕先氏 | 373 |
| 姚氏妇杨氏   | 374 |
| 张洪初妻刘氏  | 374 |
| 董景起妻张氏  | 374 |
| 阳尼妻高氏   | 374 |
| 史映周妻耿氏  | 374 |
| 任城国太妃孟氏 | 374 |
| 苟金龙妻刘氏  | 374 |
| 卢元礼妻李氏  | 374 |
| 河东孝女姚氏  | 374 |
| 刁思遵妻鲁氏  | 374 |

## 第九十三 列传第八十一

## 恩幸

|     |     |
|-----|-----|
| 王睿  | 375 |
| 王仲兴 | 376 |
| 寇猛  | 377 |
| 赵脩  | 377 |
| 茹皓  | 377 |
| 赵邕  | 378 |
| 侯刚  | 378 |
| 郑俨  | 379 |
| 徐纥  | 379 |

## 第九十四 列传第八十二

## 阉宦

|     |     |
|-----|-----|
| 宗爱  | 379 |
| 仇洛齐 | 380 |
| 段霸  | 380 |

|     |     |
|-----|-----|
| 王琚  | 380 |
| 赵黑  | 380 |
| 孙小  | 381 |
| 张宗之 | 381 |
| 剧鹏  | 381 |
| 张祐  | 381 |
| 抱嶷  | 381 |
| 王遇  | 382 |
| 苻承祖 | 382 |
| 王质  | 382 |
| 李坚  | 382 |
| 秦松  | 382 |
| 白整  | 382 |
| 刘腾  | 382 |
| 贾粲  | 383 |
| 杨范  | 383 |
| 成轨  | 383 |
| 王温  | 383 |
| 孟鸾  | 384 |
| 平季  | 384 |
| 封津  | 384 |
| 刘思逸 | 384 |

## 卷九十五 列传第八十三

|       |     |
|-------|-----|
| 匈奴刘聪  | 385 |
| 羯胡石勒  | 386 |
| 铁弗刘虎  | 387 |
| 徒何慕容廆 | 389 |
| 临渭氏苻健 | 391 |
| 羌姚萇   | 393 |
| 略阳氏吕光 | 394 |

## 卷九十六 列传第八十四

|       |     |
|-------|-----|
| 僭晋司马睿 | 395 |
| 赧李雄   | 399 |

## 卷九十七 列传第八十五

|      |     |
|------|-----|
| 岛夷桓玄 | 400 |
| 海夷冯跋 | 402 |
| 岛夷刘裕 | 402 |

## 卷九十八 列传第八十六

|       |     |
|-------|-----|
| 岛夷萧道成 | 408 |
| 岛夷萧衍  | 410 |

## 卷九十九 列传第八十七

|         |     |
|---------|-----|
| 私署凉州牧张寔 | 414 |
| 鲜卑乞伏国仁  | 415 |
| 鲜卑秃发乌孤  | 416 |
| 私署凉王李暠  | 416 |
| 卢水胡沮渠蒙逊 | 416 |

## 卷一百 列传第八十八

|     |     |
|-----|-----|
| 高句丽 | 418 |
|-----|-----|

|     |     |
|-----|-----|
| 百济  | 419 |
| 勿吉  | 420 |
| 失韦  | 420 |
| 豆莫娄 | 420 |
| 地豆于 | 420 |
| 库莫奚 | 420 |
| 契丹  | 420 |
| 乌洛侯 | 420 |

## 卷一百一 列传第八十九

|     |     |
|-----|-----|
| 氐   | 421 |
| 吐谷浑 | 422 |
| 宕昌羌 | 424 |
| 高昌  | 424 |
| 邓至  | 425 |
| 蛮   | 425 |
| 獠   | 425 |

## 卷一百二 列传第九十

### 西域

|      |     |
|------|-----|
| 鄯善   | 427 |
| 且末   | 427 |
| 于阗   | 427 |
| 蒲山   | 427 |
| 悉居半  | 427 |
| 权于摩  | 427 |
| 渠莎   | 427 |
| 车师   | 427 |
| 且弥   | 427 |
| 焉耆   | 427 |
| 龟兹   | 428 |
| 姑默   | 428 |
| 温宿   | 428 |
| 尉头   | 428 |
| 乌孙   | 428 |
| 疏勒   | 428 |
| 悦般   | 428 |
| 者至拔  | 428 |
| 迷密   | 428 |
| 悉万斤  | 428 |
| 忸密   | 428 |
| 洛那   | 428 |
| 粟特   | 428 |
| 波斯   | 428 |
| 伏卢尼  | 429 |
| 色知显  | 429 |
| 伽色尼  | 429 |
| 薄知   | 429 |
| 牟知   | 429 |
| 阿弗太汗 | 429 |
| 呼似密  | 429 |

|      |     |
|------|-----|
| 诺色波罗 | 429 |
| 早伽至  | 429 |
| 伽不单  | 429 |
| 者舌   | 429 |
| 伽倍   | 429 |
| 折薛莫孙 | 429 |
| 钳敦   | 429 |
| 弗敌沙  | 429 |
| 阎浮渴  | 429 |
| 大月氏  | 429 |
| 安息   | 429 |
| 大秦   | 429 |
| 阿钩羌  | 429 |
| 波路   | 429 |
| 小月氏  | 429 |
| 罽宾   | 429 |
| 吐呼罗  | 430 |
| 副货   | 430 |
| 南天竺  | 430 |
| 叠伏罗  | 430 |
| 拔豆   | 430 |
| 吠哒   | 430 |
| 朱居   | 430 |
| 渴槃随  | 430 |
| 钵和   | 430 |
| 波知   | 430 |
| 赊弥   | 430 |
| 乌菟   | 430 |
| 乾随   | 430 |
| 康国   | 430 |

## 卷一百三 列传第九十一

|        |     |
|--------|-----|
| 蠕蠕     | 431 |
| 匈奴宇文莫槐 | 434 |
| 徒何段就六眷 | 434 |
| 高车     | 435 |

## 卷一百四 列传第九十二

|    |     |
|----|-----|
| 自序 | 436 |
|----|-----|

## 卷一百五之一 志第一

|      |     |
|------|-----|
| 天象志一 | 438 |
|------|-----|

## 卷一百五之二 志第二

|      |     |
|------|-----|
| 天象志二 | 440 |
|------|-----|

## 卷一百五之三 志第三

|      |     |
|------|-----|
| 天象志三 | 447 |
|------|-----|

## 卷一百五之四 志第四

|      |     |
|------|-----|
| 天象志四 | 455 |
|------|-----|

## 卷一百六上 志第五

|      |     |
|------|-----|
| 地形志上 | 461 |
|------|-----|

## 卷一百六中 志第六

|             |     |              |     |
|-------------|-----|--------------|-----|
| 地形志中·····   | 470 | 乐志·····      | 519 |
| 卷一百六下 志第七   |     | 卷一百一十 志第十五   |     |
| 地形志下·····   | 483 | 食货志·····     | 523 |
| 卷一百七上 志第八   |     | 卷一百一十一 志第十六  |     |
| 律历志上·····   | 489 | 刑罚志·····     | 527 |
| 卷一百七下 志第九   |     | 卷一百一十二上 志第十七 |     |
| 律历志下·····   | 495 | 灵征志上·····    | 531 |
| 卷一百八之一 志第十  |     | 卷一百一十二下 志第十八 |     |
| 礼志一·····    | 501 | 灵征志下·····    | 537 |
| 卷一百八之二 志第十一 |     | 卷一百一十三 志第十九  |     |
| 礼志二·····    | 506 | 官氏志·····     | 544 |
| 卷一百八之三 志第十二 |     | 卷一百一十四 志第二十  |     |
| 礼志三·····    | 509 | 释老志·····     | 551 |
| 卷一百八之四 志第十三 |     | 附录·····      | 558 |
| 礼志四·····    | 513 | 前上十志启·····   | 558 |
| 卷一百九 志第十四   |     | 旧本魏书目录叙····· | 559 |

## 卷一

## 帝纪第一

## 序 纪

昔黄帝有子二十五人，或内列诸华，或外分荒服。昌意少子，受封北土，国有大鲜卑山，因以为号。其后，世为君长，统幽都之北，广漠之野。畜牧迁徙，射猎为业，淳朴为俗，简易为化，不为文字，刻木纪契而已。世事远近，人相传授，如史官之纪录焉。黄帝以土德王，北俗谓土为托，谓后为跋，故以为氏。其裔始均，入仕尧世，逐女魃于弱水之北，民赖其勤，帝舜嘉之，命为田祖。爰历三代，以及秦汉，獯鬻、猃狁、山戎、匈奴之属，累代残暴，作害中州，而始均之裔，不交南夏，是以载籍无闻焉。积六十七世，至成皇帝讳毛立，聪明武略，远近所推，统国三十六，大姓九十九，威振北方，莫不率服。崩。

节皇帝讳贷立，崩。

庄皇帝讳观立，崩。

明皇帝讳楼立，崩。

安皇帝讳越立，崩。

宣皇帝讳推寅立。南迁大泽，方千余里，厥土昏冥沮洳。谋更南徙，未行而崩。

景皇帝讳利立，崩。

元皇帝讳俟立，崩。

和皇帝讳肆立，崩。

定皇帝讳机立，崩。

僖皇帝讳盖立，崩。

威皇帝讳佗立，崩。

献皇帝讳邻立。时有神人言于国曰：“此土荒遐，未足以建都邑，宜复徙居。”帝时年衰老，乃以位授子。

圣武皇帝讳诃汾。献帝命南移，山谷高深，九难八阻，于是欲止。有神兽，其形似马，其声类牛，先行导引，历年乃出。始居匈奴之故地。其迁徙策略，多出宣、献二帝，故人并号曰“推寅”，盖俗云“钻研”之义。初，圣武帝尝率数万骑田于山泽，歟见輜辂自天而下。既至，见美妇人，侍卫甚盛。帝异而问之，对曰：“我天女也，受命相偶。”遂同寝宿。旦，请还，曰：“明年周时，复会此处。”言终而别，去如风雨。及期，帝至先所田处，果复相见。天女以所生男授帝曰：“此君之子也，善养视之。子孙相承，当世为帝王。”语讫而去。子即始祖也。故时人谚曰：“诃汾皇帝无妇家，力微皇帝无舅家。”帝崩。

始祖神元皇帝讳力微立。生而英睿。

元年，岁在庚子。先是，西部内侵，国民离散，依于没鹿回部大人宴宾。始祖有雄杰之度，时人莫测。后与宴攻西部，军败，失马步走。始祖使人以所乘骏马给之。宴归，令其部内求与马之人，当加重赏，始祖隐而不言。久之，宴乃知，大惊，将分国之半以奉始祖。始祖不受，乃

进其爱女。宴犹思报恩，固问所欲。始祖请率所部北居长川，宴乃敬从。积十数岁，德化大洽，诸旧部民，咸来归附。

二十九年，宾临终，戒其二子，使谨奉始祖。其子不从，乃阴谋为逆。始祖召杀之，尽并其众，诸部大人，悉皆款服，控弦上马二十余万。

三十九年，迁于定襄之盛乐。夏四月，祭天，诸部君长皆来助祭，唯白部大人观望不至，于是征而戮之，远近肃然，莫不震慑。始祖乃告诸大人曰：“我历观前世匈奴、羯、鲜卑之徒，苟贪财利，抄掠边民，虽有所得，而其死伤不足相补，更招寇仇，百姓涂炭，非长计也。”于是与魏和亲。四十二年，遣子文帝如魏，且观风土。魏景元二年也。

文皇帝讳沙漠汗，以国太子留洛阳，为魏宾之冠。聘问交市，往来不绝。魏人奉遗金帛缯絮，岁以万计。始祖与邻国交接，笃信推诚，不为倚伏以要一时之利，宽恕任真，而遐迩归仰。魏晋禅代，和好仍密。始祖春秋已迈，帝以父老求归，晋武帝具礼护送。

四十八年，帝至自晋。

五十六年，帝复如晋；其年冬，还国。晋遗帝锦、罽、彩、绵、绢诸物，咸出丰厚，车牛百乘。行达并州，晋征北将军卫瓘，以帝为人雄异，恐为后患，乃密启晋帝，请留不遣。晋帝难于失信，不许。瓘复请以金锦赂国之大将，令致间隙，使相危害。晋帝从之，遂留帝。于是国之执事及外部大人，皆受瓘货。

五十八年，方遣帝。始祖闻帝归，大悦，使诸部大人诣阴馆迎之。酒酣，帝仰视飞鸟，谓诸大人曰：“我为汝曹取之。”援弹飞丸，应弦而落。时国俗无弹，众咸大惊，乃相谓曰：“太子风采被服，同于南夏，兼奇术绝世，若继国统，变易旧俗，吾等必不得志，不若在国诸子，习本淳朴。”咸以为然。且离间素行，乃谋危害，并先驰还。始祖问曰：“我子既历他国，进德何如？”皆对曰：“太子才艺非常，引空弓而落飞鸟，是似得晋人异法怪术，乱国害民之兆，惟愿察之。”自帝在晋之后，诸子爱宠日进，始祖年逾期颐，颇有所惑，闻诸大人之语，意乃有疑。因曰：“不可容者，便当除之。”于是诸大人乃驰诣塞南，矫害帝。既而，始祖甚悔之。帝身长八尺，英姿瑰伟，在晋之日，朝士英俊多与亲善，雅为人物归仰。后乃追谥焉。

其年，始祖不豫。乌丸王库贤，亲近任势，先受卫瓘之货，故欲沮动诸部，因在庭中砺钺斧。诸大人问欲何为，答曰：“上恨汝曹谗杀太子，今欲尽收诸大人长子杀之。”大人皆信，各各散走。始祖寻崩。凡谗国五十八年，年一百四岁。太祖即位，尊为始祖。

章皇帝讳悉鹿立，始祖之子也。诸部离叛，国内纷扰。谗国九年而崩。

平皇帝讳绾立，章帝之少弟也。雄武有智略，威德复举。七年，匈奴宇文部大人莫槐为其下所杀，更立莫槐弟普拔为大人。帝以女妻普拔子丘不勤。帝谗国七年而崩。

思皇帝讳弗立，文帝之少子也。聪哲有大度，为诸父兄所重。政崇宽简，百姓怀服。谗国一年而崩。

昭皇帝讳祿官立，始祖之子也。分国为三部；帝自以



一部居东，在上谷北，濡源之西，东接宇文部；以文帝之长子恒皇帝讳猗玁统一部，居代郡之参合陂北；以恒帝之弟穆皇帝讳猗卢统一部，居定襄之盛乐故城。自始祖以来，与晋和好，百姓义安，财畜富实，控弦骑士四十余万。是岁，穆帝始出并州，迁杂胡北徙云中、五原、朔方。又西渡河击匈奴、乌桓诸部。自杏城以北八十里，迄长城原，夹道立碣，与晋分界。

二年，葬文帝及皇后封氏。初，思帝欲改葬，未果而崩。至是，遂成前意焉。晋成都王司马颖遣从事中郎田思、河间王司马颺遣司马靳利，并州刺史司马腾遣主簿梁天，并来会葬。远近赴者二十万人。

三年，恒帝度漠北巡，因西略诸国。

四年，东部未耐娄大人倍斤入居辽东。

五年，宇文莫虓之子逊昵延朝贡。帝嘉其诚款，以长女妻焉。

七年，恒帝至自西略，诸降附者二十余国，凡积五岁，今始东还。

十年，晋惠帝为成都王颖逼留在邺。匈奴别种刘渊反于离石，自号汉王。并州刺史司马腾来乞师。恒帝率十余万骑，帝亦同时大举以助之，大破渊众于西河、上党。会惠帝还洛，腾乃辞师。恒帝与腾盟于汾东而还。乃使辅相卫雄、段繁，于参合陂西累石为亭，树碑以记行焉。

十一年，刘渊攻司马腾，腾复乞师。恒帝以轻骑数千救之，斩渊将綦毋豚。渊南走蒲子。晋假恒帝大单于，金印紫绶。

是岁，恒帝崩。帝英杰魁岸，马不能胜。常乘安车，驾大牛，牛角容一石。帝曾中蛊，呕吐之地仍生榆木。参合陂土无榆树，故世人异之，至今传记。帝统部凡十一年。后定襄侯卫操，树碑于大邗城，以颂功德。子普根代立。

十二年，賁人李雄僭帝号于蜀，自称大成。

十三年，昭帝崩。徙何大单于慕容廆遣使朝贡。是岁，羯胡石勒与晋马牧帅汲桑反。

穆皇帝天姿英特，勇略过人，昭帝崩后，遂总摄三部，以为一统。

元年，刘渊僭帝号，自称大汉。

三年，晋并州刺史刘琨遣使，以子遵为质。帝嘉其意，厚报馈之。白部大人叛入西河，铁弗刘虎举众于雁门以应之，攻琨新兴、雁门二郡。琨来乞师，帝使弟子平文皇帝将骑二万，助琨击之，大破白部；次攻刘虎，屠其营落。虎收其余烬，西走度河，窜居朔方。晋怀帝进帝大单于，封代公。帝以封邑去国悬远，民不相接，乃从琨求句注、陞北之地。琨自以托附，闻之大喜，乃徙马邑、阴馆、楼烦、繁峙、崞五县之民于陞南，更立城邑，尽献其地，东接代郡，西连西河、朔方，方数百里。帝乃徙十万家以充之。刘琨又遣使乞师救洛阳，帝遣步骑二万助之。晋太傅东海王司马越辞以洛中饥谨，师乃还。是年，刘渊死，子聪僭立。

四年，刘琨牙门将邢延据新兴叛，招引刘聪。帝遣军讨之，聪退走。

五年，刘琨遣使乞师以讨刘聪、石勒。帝以琨忠义，

矜而许之。会聪遣其子粲袭晋阳，害琨父母而据其城，琨来告难，帝大怒，遣长子六脩、恒帝子普根，及卫雄、范班、姬澹等为前锋，帝躬统大众二十万为后继。粲惧，焚辎重，突围遁走。纵骑追之，斩其将刘儒、刘丰、简令、张平、邢延，伏尸数百里。琨来拜谢，帝以礼待之。琨固请进军，帝曰：“吾不早来，致卿父母见害，诚以相愧。今卿已复州境，然吾远来，士马疲弊，且待终举。贼奚可尽乎？”馈琨马牛羊各千余，车令百乘，又留劲锐戍之而还。是年，晋雍州刺史贾疋、京兆太守阎鼎，以晋怀帝为刘聪所执，共立怀帝兄子秦王业为太子，于长安称行台。帝复戒严，与琨更克大举。命琨自列晋行台，部分诸军，帝将遣十万骑从西河釜谷南出，晋军从蒲坂东度，会于平阳，就食聪粟，迎复晋帝。事不果行。

六年，城盛乐以为北都，修故平城以为南都。帝登平城西山，观望地势，乃更南百里，于淦水之阳黄瓜堆筑新平城，晋人谓之小平城，使长子六脩镇之，统领南部。

七年，帝复与刘琨约期，会于平阳。会石勒擒王浚，国有匈奴杂胡万余家，多勒种类，闻勒破幽州，乃谋为乱，欲以应勒，发觉，伏诛。讨聪之计，于是中止。

八年，晋愍帝进帝为代王，置官属，食代、常山二郡。帝忿聪、勒之乱，志欲平之。先是，国俗宽简，民未知禁。至是，明刑峻法，诸部民多以违命得罪。凡后期者皆举部戮之。或有室家相携而赴死所，人问：“何之？”答曰：“当往就诛。”其威严伏物，皆此类也。

九年，帝召六脩，六脩不至。帝怒，讨之，失利，乃微服民间，遂崩。普根先守外境，闻难来赴，攻六脩，灭之。卫雄、姬澹率晋人及乌丸三百余家，随刘遵南奔并州。普根立月余而薨。普根子始生，恒帝后立之。其冬，普根子又薨。是年，李雄遣使朝贡。

平文皇帝讳郁律立，思帝之子也。姿质雄壮，甚有威略。

元年，岁在丁丑。

二年，刘虎据朔方，来侵西部。帝逆击，大破之。虎单骑进走。其从弟路孤率部落内附，帝以女妻之。西兼乌孙故地，东吞勿吉以西，控弦上马将有百万。刘聪死，子粲僭立，为其将靳准所杀。渊族子曜僭立。帝闻晋愍帝为曜所害，顾谓大臣曰：“今中原无主，天其资我乎？”刘曜遣使请和，帝不纳。是年，司马睿僭称大位于江南。

三年，石勒自称赵王，遣使乞和，请为兄弟。帝斩其使以绝之。

四年，私署凉州刺史张茂遣使朝贡。

五年，僭晋司马睿遣使韩畅加崇爵服，帝绝之。治兵讲武，有平南夏之意。恒帝后以帝得众心，恐不利于己子，害帝，遂崩，大人死者数十人。天兴初，尊曰太祖。

惠皇帝讳贺傺立，恒帝之中子也。以五年为元年。未亲政事，太后临朝，遣使与石勒通和，时人谓之女国使。

二年，司马睿死，子绍僭立。

四年，帝始临朝。以诸部人情未悉款顺，乃筑城于东木根山，徙都之。是年，张茂死，兄寔子骏立，遣使朝贡。

五年，帝崩。是年，司马绍死，子衍僭立。

杨皇帝讳纥那立，惠帝之弟也。以五年为元年。

三年，石勒遣石虎率骑五千来寇边部，帝御之于句注陁北，不利，迁于大宁。时烈帝居于舅贺兰部。帝遣使求之，贺兰部帅蒿头，拥护不遣。帝怒，召宇文部并势击蒿头。宇文众败，帝还大宁。

四年，石勒擒刘曜。

五年，帝出居于宇文部。贺兰及诸部大人，共立烈帝。

烈皇帝讳翳槐立，平文之长子也。以五年为元年。石勒遣使求和，帝遣弟昭成皇帝如襄国，从者五千余家。

二年，石勒僭立，自称大赵王。

五年，勒死，子大雅僭立。慕容廆死，子元真代立。

六年，石虎废大雅，僭立。李雄死，兄子班立。雄子期，杀班自立。

七年，蒿头不修臣职，召而戮之，国人复贰。杨帝自宇文部还入，诸部大人复奉之。

杨皇帝复立，以七年为后元年。烈帝出居于邺，石虎奉第宅、伎妾、奴婢、什物。

三年，石虎遣将李穆率骑五千纳烈帝于大宁。国人六千余落叛杨帝，杨帝出居于慕容部。

烈皇帝复立，以三年为后元年。城新盛乐城，在故城东南十里。一年而崩。

昭成皇帝讳什翼犍立，平文之次子也。生而奇伟，宽仁大度，喜怒不形于色。身長八尺，隆准龙颜，立发委地，卧则乳垂至席。烈帝临崩顾命曰：“必迎立什翼犍，社稷可安。”烈帝崩，帝弟孤乃自诣邺奉迎，与帝俱还。事在《孤传》。十一月，帝即位于繁峙之北，时年十九，称建国元年。是岁，李雄从弟寿杀期僭立，自号曰汉。

二年春，始置百官，分掌众职。东自洮阳，西及破洛那，莫不款附。夏五月，朝诸大人于参合陂，议欲定都涇源川，连日不决，乃从太后计而止。语在《皇后传》。娉慕容元真妹为皇后。

三年春，移都于云中之盛乐宫。

四年秋九月，筑盛乐城于故城南八里。皇后慕容氏崩。冬十月，刘虎寇西境。帝遣军逆讨，大破之，虎仅以身免。虎死，子务桓立，始来归顺，帝以女妻之。十二月，慕容元真遣使朝贡，并荐其宗女。

五年夏五月，幸参合陂。秋七月七日，诸部毕集，设坛埒，讲武驰射，因以为常。八月，还云中。是年秋，司马衍死，弟岳僭立。

六年秋八月，慕容元真遣使请荐女。是年，李寿死，子势僭立，遣使朝贡。

七年春二月，遣大人长孙秩迎后慕容氏元真之女于境。夏六月，皇后至自和龙。秋七月，慕容元真遣使奉聘，求交婚。帝许之。九月，以烈帝女妻之。其年，司马岳死，子聃僭立。

八年，慕容元真遣使朝贡。是年，张骏私署假凉王。

九年，石虎遣使朝贡。是年，张骏死，子重华代立。

十年，遣使诣邺观衅。是年，司马聃擒李势。张重华遣使朝贡。

十一年，慕容元真死，子俊代立。

十二年，西巡，至河而还。是年，石虎死，子世立。世兄遵，杀世自立。尊兄鉴，杀遵自立。

十三年，魏郡人冉闵，杀石鉴僭立。

十四年，帝曰：“石胡衰灭，冉闵肆祸，中州纷梗，莫有匡救，吾将亲率六军，廓定四海。”乃敕诸部，各率所统，以俟大期。诸大人谏曰：“今中州大乱，诚宜进取，如闻豪强并起，不可一举而定，若或留连，经历岁稔，恐无永逸之利，或有亏损之忧。”帝乃止。是岁，苻健僭称大位，自号大秦。

十五年，慕容俊灭冉闵，僭尊号。

十六年，慕容俊遣使朝贡。是年，张重华死，子曜灵立。重华庶兄祚杀曜灵而自立，称凉公。

十七年，遣使于慕容俊。张祚复称凉王，置百官，遣使朝贡。

十八年，太后王氏崩。是年，苻健死，子生僭立。羌姚襄自称大将军、大单于。张曜、宋混杀张祚，立重华少子玄靖，称凉王。

十九年春正月，刘务桓死，其弟闾头立，潜谋反叛。二月，帝西巡，因而临河，使人招喻，闾头从命。冬，慕容俊来请婚，许之。

二十年夏五月，慕容俊奉纳礼币。是年，苻坚杀苻生而僭立。姚襄为苻眉所杀。

二十一年，闾头部民多叛，惧而东走。渡河，半济而冰陷，后众尽归闾头兄子悉勿祈。初，闾头之叛，悉勿祈兄弟十二人在帝左右，尽遣归，欲其自相猜离。至是，悉勿祈夺其众。闾头穷而归命，帝待之如初。

二十二年春，帝东巡，至于桑乾川。三月，慕容俊遣使朝贡。夏四月，帝还云中。悉勿祈死，弟卫辰立。秋八月，卫辰遣子朝贡。

二十三年夏六月，皇后慕容氏崩。秋七月，卫辰来会葬，因而求婚，许之。是岁，慕容俊死，子聃立，遣使致聘。

二十四年春，卫辰遣使朝聘。是年，司马聃死，衍子千龄僭立。

二十五年，帝南巡，至君子津。冬十月，行幸代。十一月，慕容聃荐女备后宫。

二十六年冬十月，帝讨高车，大破之，获万口，马牛羊百余万头。是年，张重华弟天锡杀玄靖而自立。

二十七年春，车驾还云中。冬十一月，讨没歌部，破之，获牛马羊数百万头。

二十八年春正月，卫辰谋反，东渡河。帝讨之，卫辰惧而遁走。冬十二月，苻坚遣使朝贡。是岁，司马千龄死，弟奕僭立。

二十九年夏五月，遣燕凤使苻坚。

三十年冬十月，帝征卫辰。时河冰未成，帝乃以苇绳约渐，俄然冰合，犹未能坚，乃散苇于上，冰草相结，如浮桥焉。众军利涉，出其不意，卫辰与宗族西走，收其部落而还，俘获生口及马牛羊数十万头。

三十一年春，帝至自西伐，班赏各有差。

三十二年正月，帝南幸君子津。冬十月，幸代。



三十三年冬十一月，征高车，大破之。是年，苻坚擒慕容暉。

三十四年春，长孙斤谋反，伏诛。斤之反也，拔刃向御座，太子献明皇帝讳寔格之，伤胁。夏五月，薨，后追谥焉。秋七月，皇孙珪生，大赦。是年，司马奕臣桓温，废弈为海西公，立睿子昱。

三十五年，司马昱死，子昌明僭立。

三十六年夏五月，遣燕风使苻坚。

三十七年，帝征卫辰，卫辰南走。

三十八年，卫辰求援于苻坚。

三十九年，苻坚遣其大司马苻洛率众二十万及朱彤、张蚝、邓羌等诸道来寇，侵逼南境。冬十一月，白部、独孤部御之，败绩。南部大人刘库仁走云中。帝复遣库仁率骑十万逆战于石子岭，王师不利。帝时不豫，群臣莫可任者，乃率国人避于阴山之北。高车杂种尽叛，四面寇钞，不得刍牧。复度漠南。坚军稍退，乃还。十二月，至云中，旬有二日，帝崩，时年五十七。太祖即位，尊曰高祖。

帝雅性宽厚，智勇仁恕。时国中少缙帛，代人许谦盗绢二匹。守者以告，帝匿之，谓燕风曰：“吾不忍视谦之面，卿勿泄言。谦或惭而自杀，为财辱士，非也。”帝尝击西部叛贼，流矢中目。贼破之后，诸大臣执射者，各持锥刀欲屠割之。帝曰：“彼各为其主，何罪也。”乃释之。

是岁，苻坚灭张天锡。

史臣曰：帝王之兴也，必有积德累功博利，道协幽显，方契神祇之心。有魏奄迹幽方，世居君长，淳化育民，与时无竞。景元生自天女，桓、穆勤于晋室。灵心人事，夫岂徒然？昭成以雄杰之姿，包君子之量，征伐四克，威被荒遐，乃立号改都，恢隆大业。终于百六十载，光宅区中。其原固有由矣。

## 卷二

## 帝纪第二

### 太祖纪

太祖道武皇帝，讳珪，昭成皇帝之嫡孙，献明皇帝之子也。母曰献明贺皇后。初因迁徙，游于云泽，既而寢息，梦日出室内，寤而见光自牖属天，欽然有感。以建国三十四年七月七日，生太祖于参合陂北，其夜复有光明。昭成大悦，群臣称庆，大赦，告于祖宗。保者以帝体重倍于常儿，窃独奇怪。明年有榆生于埋胞之坎，后遂成林。弱而能言，目有光曜，广颡大耳，众咸异之。年六岁，昭成崩。苻坚遣将内侮，将迁帝于长安，既而获免。语在《燕风传》。坚军既还，国众离散。坚使刘库仁、刘卫辰分摄国事。南部大人长孙嵩及元他等，尽将故民南依库仁，帝于是转幸独孤部。

元年，葬昭成皇帝于金陵，营梓宫，木柿尽生成林。

帝虽冲幼，而巍然不群。库仁常谓其子曰：帝有高天下之志，兴复洪业，光扬祖宗者，必此主也。

七年，冬十月，苻坚败于淮南。是月，慕容文等杀库仁，库仁弟眷摄国部。

八年，慕容暉弟冲僭立。姚萇自称大单于、万年秦王。慕容垂僭称燕王。

九年，库仁子显杀眷而代之，乃将谋逆。商人王霸知之，履帝足于众中，帝乃驰还。是时故大人梁盖盆子六眷，为显谋主，尽知其计，密使部人穆崇驰告。帝乃阴结旧臣长孙健、元他等。秋八月，乃幸贺兰部。其日，显果使人求帝，不及。语在《献明太后传》。是岁，鲜卑乞伏国仁私署大单于。苻坚为姚萇所杀，子丕僭立。

登国元年春正月戊申，帝即位，郊天，建元，大会于牛川。复以长孙嵩为南部大人，以叔孙普洛为北部大人。班爵叙勋，各有差。二月，幸定襄之盛乐。息众课农。三月，刘显自善无南走马邑，其族奴真率所部来降。夏四月，改称魏王。五月，车驾东幸陵石。护佛侯部帅侯辰、乙弗部帅代题叛走。诸将追之，帝曰：“侯辰等世修职役，虽有小愆，宜且忍之。当今草创，人情未一，愚近者固应越超，不足追也。”秋七月己酉，车驾还盛乐。代题复以部落来降，旬有数日，亡奔刘显。帝使其孙倍斤代领部落。是月，刘显弟泥率骑掠奴真部落，既而率以来降。初，帝叔父窟咄为苻坚徙于长安，因随慕容永，永以为新兴太守。八月，刘显遣弟亢泥迎窟咄，以兵随之，来逼南境。于是诸部骚动，人心顾望。帝左右于桓等，与诸部人谋为逆以应之。事泄，诛造谋者五人，余悉不问。帝虑内难，乃北逾阴山，幸贺兰部，阻山为固。遣行人安同、长孙贺使于慕容垂以征师。垂遣使朝贡，并令其子贺麟帅步骑以随同等。冬十月，贺麟军未至而寇已前逼，于是北部大人叔孙普洛等十三人及诸乌丸亡奔卫辰。帝自弩山迁幸牛川，屯于延水南，出代谷，会贺麟于高柳，大破窟咄。窟咄奔卫辰，卫辰杀之，帝悉收其众。十二月，慕容垂遣使朝贡，奉帝西单于印绶，封上谷王。帝不纳。是岁，慕容垂僭称皇帝于中山，自号大燕。苻丕死，苻登自立于陇东。姚萇称皇帝于长安，自号大秦。慕容冲为部下所杀。慕容永僭立。

二年春正月，班赐功臣长孙嵩等七十三人各有差。二月，帝幸宁川。夏五月，遣行人安同征兵于慕容垂，垂使子贺麟率众来会。六月，帝亲征刘显于马邑南，追至弥泽，大破之，显南奔慕容永，尽收其部落。秋八月，帝至自伐显。冬十月癸卯，幸濡源，遣外朝大人王建使于慕容垂。十一月，遂幸赤城。十有二月，巡松漠。还幸牛川。

三年春二月，帝东巡。夏四月，幸东赤城。五月癸亥，北征库莫奚。六月，大破之，获其四部杂畜十余万，渡弱落水。班赏将士各有差。秋七月庚申，库莫部帅鸠集遣散，夜犯行宫。纵骑扑讨，尽杀之。其月，帝还赤城。八月使九原公元仪使于慕容垂。冬十月，慕容垂遣使朝贡。十有二月辛卯，车驾西征。至女水，讨解如部。大破之，获男女杂畜十数万。是岁，乞伏国仁死，弟乾归立，私署河南王。